प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 3 (2019–20)

हिन्दी–ब (कोड–85)

कक्षा– 9

निर्धारित समय– 3 घंटे अधिकतम अंक– 80

सामान्य निर्देशः–

1. इस प्रश्न–पत्र में चार खंड हैं– क, ख, ग और घ।
2. सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।

खण्ड–क (अपठित अंश) 15

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 9

प्रणाम का भारतीय संस्कृति में बड़ा महत्त्व है। यह अपने से बड़ों–श्रद्धेय तथा आदरणीयजनों के प्रति आत्मीयता का प्रतीक है। माता–पिता के अतिरिक्त समाज के सभी वृद्धजनों, अतिथियों, साधु–संतों को अपनी परम्परा के अनुसार प्रणाम करना मानव धर्म है। वस्तुतः प्रणाम जीवन रूपी क्षेत्र में आशीर्वाद का अन्न उगाने का बीजमंत्र है। प्रणाम के सम्बन्ध में मनु की मान्यता है कि जो 'वृद्धजनो' व माता–पिता को नित्य सेवा–प्रणाम से प्रसन्न रखता है, उसकी आयु–विद्या–यश और बल चारों की वृद्धि होती है। प्रणाम के बल पर ही बालक मार्कंडेय ने सप्तर्षियों से चिरंजीवी होने का वरदान प्राप्त किया था। महाभारत के युद्ध के आरम्भ में युधिष्ठिर ने पितामह भीष्म, गुरू द्रोण, कुलगुरू कृपाचार्य एवं महाराज शल्य को प्रणाम करके उनसे 'विजयी भव' का आशीर्वाद प्राप्त किया। प्रणाम की महत्ता निरूपित करते हुए संत तुलसी कहते हैं कि 'वह मानव–शरीर व्यर्थ है जो सज्जनों और गुरूजनों के सम्मुख नहीं झुकता।'

1. प्रणाम किसका प्रतीक है? 2

उत्तर : प्रणाम अपने से बड़ों–श्रद्धेय तथा आदरणीयजनों के प्रति आत्मीयता का प्रतीक है।

2. प्रणाम करने वालों को क्या प्राप्ति होती है? 2

उत्तर : प्रणाम करने वालों को आयु, विद्या, यश और बल की प्राप्ति होती है।

3. 'वह मानव–शरीर व्यर्थ है जो सज्जनों और गुरूजनों के सम्मुख नहीं झुकता'–कथन किसने कहा है? 2

उत्तर : यह कथन संत तुलसीदास जी ने कहा था।

4. 'सप्तर्षि' शब्द में कौन–सा समास है? 2

उत्तर : द्विगु समास

5. गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए। 1

उत्तर : प्रणाम का महत्त्व।

2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 6

चींटी है प्राणी सामाजिक
वह श्रमजीवी, वह सुनागरिक।
देखा चींटी को?
उसके जी को?
भूरे बालों की–सी कतरन
छिपा नहीं उसका छोटापन
वह समस्त पृथ्वी पर निर्भर
विचरण करती श्रम में तन्मय
वह जीवन की तिनगी–अक्षय।।
वह भी क्या देही है, तिल–सी?
प्राणों की रिलमिल झिलमिल सी!
दिनभर में वह मीलों चलती
अथक कार्य से कभी न टलती!

1. कवि ने चींटी को श्रमजीवी क्यों कहा है? 2

उत्तर : कवि ने चींटी को श्रमजीवी इसलिए कहा है, क्योंकि वह सदैव श्रम में लीन रहकर जीती है।

2. 'भूरे बालों की–सी कतरन' के माध्यम से कवि किस ओर संकेत करता है? 2

उत्तर : 'भूरे बालों की–सी कतरन' के माध्यम से कवि चींटी के लघु आकार की ओर संकेत करता है।

3. 'जीवन की तिनगी–अक्षय' का आशय क्या है? 2

उत्तर : 'जीवन की तिनगी–अक्षय' का आशय है कि चींटी कभी कम न होने वाले उत्साह से भरपूर है। वह प्रत्येक प्रयास के लिए सदैव उत्साहित रहती है।

अथवा

देश हमें देता है सब कुछ
हम भी तो कुछ देना सीखें
सूरज हमें रोशनी देता
हवा नया जीवन देती है

भूख मिटाने को हम सबकी
धरती पर होती खेती है।
औरों का भी हित हो जिसमें
हम ऐसा कुछ करना सीखें।
पथिकों को तपती दुपहर में
पेड़ सदा देते हैं छाया।
खुशबू भरे फूल है देते
हमको नव फूलों की माला
त्यागी तरूओं के जीवन से हम भी तो कुछ करना सीखें।

1. हम किससे देना सीख सकते हैं?

उत्तर : हम देश से देना सीख सकते हैं। जिसकी धरती पर रहते हुए हमें रोशनी, हवा तथा खाने के लिए अनाज सब कुछ मिलता है।

2. कवि ने 'त्यागी' का संबोधन किसके लिए किया है और क्यों?

उत्तर : कवि ने 'त्यागी' का संबोधन पेड़ों के लिए किया है क्योंकि पेड़ अपने फूल, फल, पत्ते, छाया सभी कुछ दूसरों को दे दते हैं।

3. आशय स्पष्ट कीजिए।

"औरो का भी हित हो जिसमें
हम ऐसा कुछ करना सीखें।"

उत्तर : इन पंक्तियों का आशय यह है– कि अपने लिए तो सभी जीते हैं, लेकिन दूसरों की भलाई के लिए भी कुछ करना सीखें। अतः हमें दूसरों की भलाई के लिए कुछ करना सीखना चाहिए।

खण्ड–ख (व्यावहारिक व्याकरण) 15

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए। 2

स्पष्ट, त्रिकोण, श्रमिक।

उत्तर : **स्पष्ट–** स् + प् + अ + ष् + ट् + अ,
त्रिकोण– त् + र् + इ + क् + ओ + ण् + अ,
श्रमिक– श् + र + अ + म् + इ + क् + अ

4.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित स्थान पर अनुनासिक का प्रयोग कीजिए। 1

चादनी, रस्सिया, पाच।

उत्तर : **चादनी–** चाँदनी
रस्सिया– रस्सियाँ
पाच– पाँच

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित स्थान पर अनुस्वार का प्रयोग कीजिए। 1

ककड़, सदिग्ध, सघर्ष।

उत्तर : **ककड़–** कंकड़
सदिग्ध– संदिग्ध
सघर्ष– संघर्ष

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित स्थान पर नुक्ता का प्रयोग कीजिए। 1

फरियाद, मरीज, कैदी।

उत्तर : **फरियाद–** फ़रियाद
मरीज– मरीज़
कैदी– क़ैदी

6.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित प्रत्यय पहचानकर लिखिए। 1

पढ़ाई, लुहारिन, सुखिया।

उत्तर :

	मूल शब्द	प्रत्यय
1.	पढ़	आई
2.	लुहार	इन
3.	सुख	इया

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित उपसर्ग पहचानकर लिखिए। 1

अनमेल, विमुख, संगति।

उत्तर :

	उपसर्ग	मूल शब्द
1.	अन	मेल
2.	वि	मुख
3.	सम्	गति

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में मूल शब्द के साथ जुड़े उपसर्ग और प्रत्यय को अलग कर लिखिए। 1

आमोदित, प्रदर्शन, तत्परता।

उत्तर :

	उपसर्ग	मूल शब्द	प्रत्यय
1.	आ	मोद	इत
2.	प्र	दर्श	न
3.	तत्	पर	ता

7.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं चार शब्दों में सही संधि–विच्छेद कीजिए। 4

अत्यन्त, मदिरालय, नरेंद्र, भाग्योदय, अत्याचार।

उत्तर : **अत्यन्त–** अति + अन्त
मदिरालय– मदिरा + आलय
नरेंद्र– नर + इंद्र
भाग्योदय– भाग्य + उदय
अत्याचार– अति + आचार

2. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन वाक्यों में उचित विराम चिह्न का प्रयोग कीजिए। 3
   1. उफ तुम कब जाओगे अतिथि
   2. जो धन का भूखा है वह साधु नहीं है
   3. वाह कितना सुन्दर दृश्य है
   4. सरोजस्मृति सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला की श्रेष्ठ रचना है

   उत्तर :
   1. उफ, तुम कब जाओगे, अतिथि?
   2. जो धन का भूखा है, वह साधु नहीं है।
   3. वाह! कितना सुन्दर दृश्य है।
   4. 'सरोज स्मृति' सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला की श्रेष्ठ रचना है।

खण्ड–ग

(पाठ्य–पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक) 25

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 5

1. चलते पुरजे लोग धर्म के नाम पर क्या करते हैं? 2

   उत्तर : चलते पुरजे लोग धर्म के नाम पर लोगों को बेवकूफ बनाते हैं और अपना स्वार्थ सिद्ध करते हैं। वे यह चाहते हैं कि उनका नेतृत्व कायम रहे और उनका प्रभाव बना रहे।

2. गाँधीजी से मिलने आने वाले लोगों की सहायता महादेव भाई किस प्रकार किया करते थे? 2

   उत्तर : महादेव भाई गाँधी जी से मिलने आने वाले लोगों से हुई बातचीत का अंतिम रूप तैयार करने के सिलसिले में उनके प्रारूप को देखते थे और उनमें उचित संशोधन कर दिया करते थे। वह इसलिए ताकि गाँधी जी उनके प्रारूपों को स्वीकार कर लें।

3. शिखर पर जाने वालों को क्या–क्या झेलना पड़ता है? 1

   उत्तर : शिखर पर जाने वालों को हिमपात और मौत का खतरा हर कदम पर झेलना पड़ता है।

9. 'भगवाना की तरह बहुत–से लोग अंधविश्वास के चलते मौत के मुँह में चले जाते हैं।' इस कथन को ध्यान में रखते हुए अंधविश्वास को दूर करने के कुछ सुझाव दीजिए। 5

उत्तर : भगवाना को साँप के काट लेने पर उसकी माँ ने अंधविश्वास के कारण उसका ठीक से इलाज नहीं करवाया। वह ओझाओं के झाड़–फूँक के चक्कर में पड़ी रही, इसलिए उसका इकलौता बेटा मर गया।

'सुझाव'– सरकार के चिकित्सा विभाग को गाँवों में जाकर जानलेवा बीमारियों के बारे में बताना चाहिए। वह उन्हें दवाइयाँ, डाक्टरों द्वारा सही इलाज के बारे में बताएँ और समय रहते तत्काल ये चीजें उपलब्ध कराएँ। वास्तव में गरीबी के कारण ही अंधविश्वास पलते और बढ़ते हैं।

गरीब आदमी लाचार होकर सस्ते इलाज की और भागते हैं और मजबूरन उन्हें ओझाओं पर विश्वास करना पड़ता है। ऐसी दशा में मुफ्त एवं अनिवार्य चिकित्सा सुविधा प्रदान करने से ही अंधविश्वासों पर विजय पाई जा सकती है।

अथवा

महादेवजी एक साधारण व्यक्ति होते हुए भी असाधारण व्यक्तित्व के धनी थे–सिद्ध कीजिए।

उत्तर : महादेव जी एक साधारण व्यक्ति होते हुए भी असाधारण व्यक्तित्व के स्वामी थे। वे व्यवहार में अत्यन्त कोमल होकर, ढेर सारे महत्त्वपूर्ण काम बड़े सलीके से कर लेते थे। वे स्वयं को गाँधी जी का सेवक मानते थे। गाँधी जी के सम्पर्क में आने से पहले वे एक साधारण सरकारी कर्मचारी थे। वे अनुवाद विभाग में नौकरी करते थे। गाँधी जी ने उनकी प्रतिभा को पहचाना। उन्होंने माना कि यह व्यक्ति मन–वचन और कर्म से उनका अनुगामी है तथा उनके जैसे ही विचार रखता है। अतः गाँधी जी ने धीरे–धीरे अपना हर काम महादेव जी पर छोड़ दिया। वे न केवल गाँधी जी के लेखों, टिप्पणियों और आशयों को समाचार पत्रों में छपवाते थे बल्कि हमसाये की तरह उनकी एक–एक दिनचर्या के संगी–साथी बने रहते थे। इस प्रकार उन्होंने जो भी काम किया, वह अविस्मरणीय था।

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 5

1. 'आदमीनामा' कविता आदमी के किन रूपों को उजागर करती है? 2

   उत्तर : यह कविता आदमी के अच्छे और बुरे दोनों रूपों को उजागर करती है। आदमी संहारक और रक्षक, मित्र और शत्रु, उपदेशक और शिष्य, राजा और प्रजा, अमीर और गरीब प्रत्येक रूप में हमारे सामने आता है।

2. 'एक पत्र छाँह भी माँग मत' पंक्ति का आशय 'अग्निपथ' के आधार पर स्पष्ट कीजिए। 2

   उत्तर : कवि अग्निपथ पर चलते हुए मनुष्य को छाँह माँगने के लिए मना करता है। कवि चाहता है कि संघर्षरत् मनुष्य अपने संकल्प को दृढ़ रखे। वह सुख–सुविधा के मोह में न पड़े। इससे मनुष्य को सुविधा भोगने की आदत पड़ जाती है और वह संघर्ष की कठिनाइयों से बचने लगता है।

3. रहीम ने प्रेम के निर्वाह में कौन–सी सावधानी बरतने को कहा है और क्यों? 1

   उत्तर : रहीम ने प्रेम के निर्वाह में मनमुटाव रूपी गाँठ न आने देने की बात कही है, क्योंकि– इससे प्रेम में दुर्भावना और दूरी आ जाती है।

11. 'रहीम के दोहे' श्रेष्ठ कविता का उदाहरण है, क्योंकि वह समय के प्रभाव से न तो फीके पड़े हैं, न ही उनकी लोकप्रियता कम हुई है। क्या कारण है? अपने विचार स्पष्ट कीजिए। 5

उत्तर : रहीम के दोहे जीवन के शाश्वत सत्य हैं इसलिए समय के प्रभाव से फीके नहीं पड़े हैं। वे इतनी सहज और सरल भाषा में लिखे गए हैं कि लोगों ने उन्हें बहुत पसन्द किया है। इसलिए इनकी लोकप्रियता कम नहीं हुई है। जीवन के सत्य से जुड़े ये दोहे मनुष्य के हृदय को प्रभावित करते हैं और सरलता से याद हो जाते हैं। उदाहरण के लिए प्रेम का धागा नहीं तोड़ो। एक बार टूटने पर इसमें गाँठ पड़ जाती है। इसी प्रकार बिगड़ी बात ठीक उसी प्रकार नहीं बन सकती जैसे कि एक बार दूध फट जाए तो लाख चाहने पर भी उसमें से मक्खन नहीं निकाला जा सकता। 'रहिमन पानी राखिए''''' दोहा तो सब की जुबान पर चढ़ा हुआ है।

अथवा

'एक फूल की चाह' कविता में देवी के भक्तों की दोहरी मानसिकता उजागर होती है। स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : 'एक फूल की चाह' कविता में देवी के उच्च जाति के भक्तगण जोर–जोर से गला फाड़कर चिल्ला रहे थे, "पतित तारिणी पाप–हारिणी माता तेरी जय–जय–जय!" वे माता को भक्तों का उद्धार करने वाली, पापों को नष्ट करने वाली, पापियों का नाश करने वाली मानकर जय–जयकार कर रहे थे। उसी वक्त एक अछूत भक्त के मंदिर में आ जाने से वे उस पर मंदिर की पवित्रता और देवी की गरिमा नष्ट होने का आरोप लगा रहे थे। जब देवी पापियों का नाश करने वाली है तो एक पापी या अछूत उनकी गरिमा कैसे कम कर रहा था। भक्तों की ऐसी सोच से उनकी दोहरी मानसिकता उजागर होती है।

12. 'स्मृति' पाठ को पढ़ने के बाद किन–किन बाल सुलभ शरारतों के विषय में पता चलता है? 3

उत्तर : इस पाठ को पढ़ने के बाद निम्नलिखित बाल–सुलभ शरारतों के विषय में पता चलता है–

1. बच्चे झरबेरी के बेर तोड़कर खाने का आनन्द लेते हैं।
2. स्कूल जाते समय रास्ते में शरारतें करते हैं।
3. कठिन एवं जोखिम पूर्ण कार्य करते हैं।
4. जानवरों एवं जीव–जंतुओं को तंग करते हैं।
5. कुएँ में ढेला फेंककर खुश होते हैं।
6. माली से छिपकर फल तोड़ना पसन्द करते हैं।
7. गलत काम करने के बाद सजा मिलने से डरते हैं।

अथवा

'हामिद खाँ' कहानी पाकिस्तान और हिन्दुस्तान दो देशों की आम जनता की संवेदनाओं को उजागर करती है– कथन के पक्ष में अपने विचार स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : 'हामिद खाँ' कहानी पाकिस्तान और भारत की आम जनता की संवेदनाओं को उजागर करती है। भारत की हिन्दू जनता मुसलमानों को आक्रमणकारी, लुटेरा एवं अत्याचारी मानती है। इस कारण से हिन्दू–मुसलमानों से दूरी बनाकर रखते हैं। मुसलमान भी हिन्दुओं से चिढ़ते हैं। वे आपस में भाईचारा बनाने की बजाय उन्हें नीचा दिखाने की कोशिश करते हैं। फिर भी भारत में हिन्दु–मुसलमानों में प्रेम बना हुआ है। पाकिस्तान में मुसलमान हिन्दुओं पर बहुत अत्याचार करते हैं, स्त्रियों की इज्जत लूटते हैं और उनको बहुत कष्ट देते हैं।

13. साँप का ध्यान भटकाने के लिए लेखक ने क्या–क्या युक्तियाँ अपनाई? 2

उत्तर :

1. उसने मुट्ठीभर मिट्टी लेकर साँप के दाईं ओर फेंकी जिससे साँप का ध्यान दाईं ओर चला गया।
2. उसने अपने हाथ से प्रहार करने की बजाय उसकी तरफ डंडा मारा तो साँप ने सारा विष डंडे पर उगल दिया। डंडा बीच में न होता तो साँप ने लेखक के पैर में काट लिया होता।

खण्ड–घ (लेखन) 25

14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80–100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। 5

1. **लड़का–लड़की एक समान, दोनों से ही घर की शान।**
   • लड़का–लड़की में असमानताएँ • स्वभाव में अन्तर • लड़के को महत्त्व मिलने का कारण • लड़की को समान महत्त्व मिलना चाहिए।
2. **मोबाइल फोन कितना सुखद और दुखद।**
   • मोबाइल फोन– एक सुविधा या संपत्ति • संपर्क का सस्ता और सुलभ साधन • विपत्तियाँ– अनचाहा खलल डालने का साधन • अपराधियों के लिए वरदान • निष्कर्ष।
3. **मेक इन इंडिया।**
   • भूमिका • उक्ति का अर्थ • सोने की चिड़िया भारत की पृष्ठभूमि • उद्यमी देश–पराधीनता काल में बदला परिदृश्य • विकास में अग्रसर होने का संकल्प • उपसंहार।

उत्तर :

1. लड़का–लड़की एक समान, दोनों से ही घर की शान

समाज में लड़का–लड़की को समान समझने से पहले उनकी असमानताओं को समझना जरूरी है। दोनों का जन्म, खान–पान, पाचन–तंत्र, बीमारी, इलाज, मृत्यु आदि सभी तो एक समान हैं। अन्तर केवल प्रजनन–तंत्र का है। परन्तु दोनों में से किसी के बिना सृष्टि–तंत्र नहीं चल सकता। लड़का–लड़की दोनों के मन में एक जैसे भाव उत्पन्न होते हैं। नारी में कोमलता, भावुकता, व्यवहार कुशलता जैसे गुणों की अधिकता होती है। पुरूष में कठोरता, उग्रता और तर्कशक्ति अधिक होती है। भारतीय समाज प्रारम्भ से ही पुरूष–प्रधान रहा है। इसलिए पुरूषों को अधिक महत्त्व दिया जाता है। लड़कियों को मात्र 'खर्चा' और बोझ माना जाता है। धर्म–क्षेत्र में यह मान्यता है कि पुरूष योनि में ही मोक्ष मिल सकता है। यह भी धारणा प्रचलित है कि लड़के से ही वंश चलता है। लड़कियों को 'पराया–धन' माना जाता है। लड़के को हर प्रकार से उपयोगी मानकर बहुत–से माता–पिता लड़के के पालन–पोषण और शिक्षा आदि पर अधिक खर्च करते हैं, लड़की पर कम। आर्थिक दबाव के कारण आज नारियों ने भी कमाना शुरू कर दिया है। इसलिए अब वे मात्र 'बोझ' या 'खर्चा' नहीं हैं। उन्हें भी लड़कों के समान समझकर विकास और उन्नति के अवसर मिलने चाहिए।

2. मोबाइल फोन कितना सुखद और दुखद

मोबाइल फोन विज्ञान का अद्‌भुत चमत्कार है। मोबाइल फोन का आविष्कार अमेरिकी इंजीनियर मार्टिन कूपर ने 1970 में किया था। मोबाइल फोन संचार का माध्यम तो है ही, साथ ही वह घड़ी, टार्च, संगणक, कैमरा, संस्मारक, रेडियों, खेल, मनोरंजन आदि की भी भूमिका निभाता है। एक ओर मोबाइल फोन जहाँ इतनी सुविधाएँ देता है वहाँ दूसरी ओर अभिशाप भी कम नहीं है। इसके कारण अनचाहे लोगों से भी बात करनी पड़ती है। दिनभर विज्ञापन–कंपनियों के विज्ञापन या निवेश कंपनियों के ऑफर आपको परेशान करते रहते हैं। मोबाइल फोन की मुसीबतों का दर्द युवतियाँ अधिक झेलती हैं। आजकल मोबाइल फोन के कारण अपराधियों के गिरोह अपने काम को आसानी से अंजाम देते हैं। अनेक बदमाश जेलों में बंद होते हुए भी मोबाइल के माध्यम से आतंक फैलाते हैं। मोबाइल फोन वरदान है। यदि मनुष्य इसके उपयोग को अपने अनुसार नियंत्रित कर ले, तो इसके कारण होने वाली मुसीबतों से बहुत सीमा तक बचा जा सकता है।

3. मेक इन इंडिया

भारत के तेजस्वी एवं विवेकशील प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश को एक नारा दिया– मेक इन इंडिया। वे चाहते हैं कि भारत एक उद्यमी एवं उत्पादक देश बने। मेक इन इंडिया का अर्थ है– भारत में निर्माण करो। जो वस्तुएँ विदेशों से भारत में आती हैं। उन्हें अपने देश में ही निर्मित किया जाए। कहते हैं कि भारत कभी सोने की चिड़िया था। विश्व व्यापार में भारत की वही स्थिति थी जैसी कि आज अमरीका या यूरोपीय देशों की है। जब भारत में अंग्रेज आए, तो यहाँ का जहाजरानी उद्योग और कागज उद्योग ऊँचाइयों पर था। अंग्रेजों ने उद्यमी देश भारत में आकर यहाँ उद्यमिता को नष्ट किया। उन्होंने यहाँ के कल–कारखानों को बंद करके इंग्लैण्ड से बने माल को भारत में बेचा। प्रधानमंत्री मोदी जी ने देश को सपना दिया कि तुम नौकरी करने की मानसिकता को छोड़ो और स्वयं उद्योगों के मालिक बनो। स्टार्ट–अप के सहारे नए उद्योग खड़े करो। इसके लिए उन्होंने युवकों को नए कार्य आरम्भ करने के अवसर दिए, उसके लिए वित्तीय सहायता की नई योजनाएँ बनाई। उन्होंने विश्वभर के व्यापारियों और निर्माताओं को भारत में आकर नए उद्योग लगाने के लिए आमंत्रित किया। मेक इन इंडिया का नारा बहुत उत्साहवर्धक है।

15. अपने मित्र अनुज को गृह प्रवेश में बुलाने के लिए निमंत्रण दीजिए। 5

उत्तर :

करण मिश्रा
118/C जमुना विहार,
गोपी नगर, जयपुर
दिनांक : 21 मार्च, 2019

प्रिय मित्र अनुज
स्नेह!

आशा है तुम सकुशल होंगे। मैं भी यहाँ प्रसन्न हूँ। मुझे तुम्हें यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि हमारा नया घर बनकर तैयार हो गया है। 29 मार्च, 2019 को हमारे नये घर का गृह–प्रवेश कार्यक्रम होना निश्चित हुआ है। सवेरे 9 बजे घर में सत्यनारायण की कथा एवं हवन का कार्यक्रम है। इसके बाद 1 घंटा भजनों का कार्यक्रम और बाद में आरती होगी। तत्पश्चात् कन्या–भोज होगा और बाद में सबके भोजन का कार्यक्रम होगा।

ऊपर पता नये निवास का ही लिखा है। अतः तुम्हें इस अवसर पर जरूर सम्मिलित होना है। तुम्हारे शुभागमन की प्रतीक्षा में।

तुम्हारा मित्र
करण

अथवा

गर्मियों की छुट्टियों में आपका विद्यालय मनाली–भ्रमण पर जा रहा है। अपने पिताजी को पत्र लिखकर इस भ्रमण में जाने की अनुमति माँगिए।

उत्तर :

48/B, किशनपोल बाजार
जयपुर।
दिनांक : 10 अप्रैल, 2019
पूज्य पिताजी
सादर प्रणाम!

आशा है, आप स्वस्थ और कुशल होंगे। घर में सब प्रकार का आनन्द–मंगल होगा। मैं भी यहाँ कुशलतापूर्वक अध्ययन में लीन हूँ।

पिताजी, इस बार ग्रीष्मावकाश में मेरे विद्यालय के कक्षा ग्यारहवीं के छात्र मनाली भ्रमण के लिए जा रहे हैं। 10 दिन का प्रोग्राम है। मनाली के आस–पास हिडिम्बा मंदिर, नग्गर, सोलंग घाटी, मणिकर्ण आदि स्थलों पर भी जायेंगे। इन दिनों में रहने एवं ठहरने की उत्तम व्यवस्था के 5000 रु. खर्च आएगा शेष खर्च विद्यालय की ओर से ही होगा। वहाँ के पर्वतीय स्थलों के सुन्दर दृश्यों को एवं हिमपात देखने का बहुत मन है। अनेक शिक्षक भी हमारे साथ जाएँगे। उन्हीं की देखरेख व निर्देशन में हम लोग रहेंगे।

पिताजी! मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि वापस आकर पढ़ाई की ओर पूर्ण ध्यान दूँगा।

मैं आपसे विद्यालय के छात्रों के साथ मनाली भ्रमण हेतु जाने की अनुमति चाहता हूँ। आशा है आप मुझे निराश नहीं करेंगे। आपके पत्रोत्तर की प्रतीक्षा में।

आपका पुत्र
प्रदीप

16. दिए गए चित्र का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए। 5

उत्तर : इस चित्र में एक गाँव का दृश्य है। दूर–दूर से औरतें हैंडपम्प से पानी भर कर ले जा रही हैं। बच्चे आपस में मिल–जुलकर खेलते हैं। कुछ लोग घर के बाहर बैठकर काम करते हैं। गाँव की संस्कृति शहरों से भिन्न होती है।

अथवा

उत्तर : इस चित्र में फुटबॉल के खेल का दृश्य है। इसे 11 खिलाड़ियों कि दो टीमों के बीच खेला जाता है। फुटबॉल के आयताकार घास के मैदान में दोनों छोरों पर एक–एक गोल होता है। खिलाड़ियों द्वारा विरोधी दल के गोल में चालाकी से फुटबॉल को डालना ही इस खेल का उद्देश्य है। गोलरक्षक ही ऐसा खिलाड़ी होता है जिसे फुटबॉल रोकने में अपना हाथ इस्तेमाल करने की अनुमति होती है।

17. नौकर और मालिक के मध्य वेतन वृद्धि के लिए संवाद लिखिए। 5

उत्तर :

नौकर– मालिक महँगाई बहुत बढ़ गई है। अब 7000 रुपये में हमारा गुजारा नहीं चलता।
मालिक– अरे, अभी तो 500 रु. बढ़ाए थे।
नौकर– मालिक 500 रु. बढ़ाए हुए एक साल हो गया है और सब्जियों के दाम तब से कई गुना बढ़ गए हैं।
मालिक– यह महँगाई तो सबके लिए ही बढ़ी है राम!
नौकर– पर मालिक हमारे अन्नदाता तो आप हैं।
मालिक– अच्छा ठीक है। अगले महीने से 500 रु. और बढ़ा देंगे।
नौकर– 500 रु. से क्या होगा मालिक?
मालिक– अच्छा देखते हैं। 1000 रु. की बढ़त तो ठीक है।
नौकर– जी मालिक! धन्यवाद।
मालिक– लेकिन काम ठीक से करो, जरा भी लापरवाही नहीं होनी चाहिए।
नौकर– मालिक! आपकों शिकायत का मौका नहीं दूँगा, मेरा विश्वास कीजिए।

अथवा

स्वच्छता अभियान के बारे में दो छात्रों के बीच संवाद लिखिए।

उत्तर :

सुमित– यार झूठा पत्ता कहाँ फेंकूँ, कहीं कोई डस्टबिन ही नहीं दिख रहा।
संजय– तो फिर फेंक दे सड़क पर।
सुमित– नहीं यार, सफाई रखने की जिम्मेदारी अकेले प्रधानमंत्री की थोड़े ही है।

WWW.CBSE.ONLINE

संजय– तो फिर नगर निगम कर्मचारी डस्टबिन क्यों नहीं रखते?

सुमित– तू भी यार, बहकी–बहकी बातें कर रहा है। क्या सारी सड़कों पर जगह–जगह डस्टबिन रखवाए जाएँगे?

संजय– अच्छा तू बता, कहाँ फेंकूँ?

सुमित– ला मुझे दे। मैं डस्टबिन देखकर ही उसमें फेंकूँगा।

संजय– यार तू तो सच में मोदी जी का भक्त हो गया। मैं ही इसे अपने पास रख लेता हूँ।

सुमित– जब हम सब जागेंगे, तभी देश जागेगा।

संजय– धन्यवाद मित्र!

18. बाजार में नया कूलर 'उमा' आया है। यह 100 वॉट में इन्वर्टर पर भी चल सकता है। एक विज्ञापन तैयार कीजिए। 5

उत्तर :

उमा कूलर   ***चौबीस घंटे ठंड़ी हवा***
केवल 100 वॉट में चलने वाला इन्वर्टर है तो कूलर भी है।   *अब बिजली कट का कोई झंझट नहीं।*   *दिन–रात ठंड़ी हवा का आनंद लीजिए–उमा कूलर से।*   ***हर छोटे-बड़े शोरूम पर उपलब्ध***
सम्पर्क   **मोबाइल नं.– 8369549831**

अथवा

आपके नगर में साइकिलों की नई दुकान खुली है– किशोर साइकिल स्टोर। एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

उत्तर :

किशोर साइकिल स्टोर   *साइकिलें ही साइकिलें*
एटलस, हीरो, काइनेटिक   ♦ *सभी कंपनियों के नए मॉडल,*   ♦ *कम दामों में उपलब्ध,*   ♦ *गारंटी के साथ आज ही पधारें।*   *अलग–अलग रंगों में उपलब्ध।*   *खास ऑफर, प्रत्येक साइकिल के साथ आकर्षक उपहार।*
सम्पर्क   ***किशोर साइकिल स्टोर***   ***साइकिल मार्केट, जयपुर***   ***मोबाइल नं– 9518800092***

Download unsolved Version of this solved paper from www.cbse.online